# SWETA DUBEY
# ASST.PROFESSOR,
# GSCW B.Ed., PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT
# ECONOMICS,SEM-2, PAPER-VII A UNIT-I
# TOPIC- SPECIFICE OBJECTIVES OF ECONOMICS SUBJECT
# PART-I

Scanned with CamScanner

# उच्च माध्यमिक स्तर (+2स्तर) एवं अर्थशास्त्र शिक्षण के उद्देश्य

1. ऐतिहासिक संदर्भ में भारत की मौजूदा आर्थिक संस्थाओं की समझ विद्यार्थियों में पैदा करना ।
2. हमारे देश की आर्थिक संरचना और इसमें हो रहे परिवर्तनों की समझ विद्यार्थियों में पैदा करना ।
3. विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के प्रमुख नियमों और संप्रत्ययों की जानकारी प्रदान करना ।
4. विद्यार्थियों में राष्ट्रीय आय विश्लेषण और राष्ट्रीय आय की गणना के तरीकों की समझ पैदा करना ।
5. विद्यार्थियों को समंकों को एकत्रित करने, सारणीयन करने एवं निरूपण करने की क्षमता पैदा करना ।

Scanned with CamScanner

6. (Primary and Secondary Information) का ज्ञान देना ।

7. विद्यार्थियों में आर्थिक पुनर्निर्माण कार्य के लिए किये गये प्रयत्नों को सराहने की भावना पैदा करना ।

8. आर्थिक विकास की प्रक्रिया में जो परेशानियाँ आती हैं उनका धैर्यपूर्वक सामना करने के लिये विद्यार्थियों को तैयार करना ।

9. विद्यार्थियों द्वारा समस्या समाधान उपागम को अपनाना ।

10. विद्यार्थियों में उद्यम, सहयोग और राष्ट्रीय एकता की भावना को विकसित करना ।

Scanned with CamScanner

# अर्थशास्त्र शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य (Specific Objectives of Economics Teaching)

उपरोक्त लिखित उद्देश्य अर्थशास्त्र विषय के शिक्षण के सामान्य उद्देश्य हैं जो कि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर प्राप्त किये जाने हैं । इनकी पूर्ति निर्धारित स्तर पर चयनित विषय-वस्तु द्वारा की जाती है । सामान्यतया छात्र-शिक्षकों को यह भ्रान्ति रहती है कि इकाई अथवा पाठ योजना के सामान्य उद्देश्य कौनसे होंगे? तथा विशिष्ट उद्देश्य कौनसे होंगे? इन दोनों के अन्तर को निम्न उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है ।

उदाहरण -

Scanned with CamScanner

कक्षा 9वीं-10वीं स्तर का प्रथम उद्देश्य है विद्यार्थियों को समकालीन आर्थिक समस्याओं से अवगत करना और स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इन समस्याओं को हल करने के लिए किये गये प्रयत्नो को सराहने की भावना पैदा करना ।

यह अर्थशास्त्र शिक्षण का एक सामान्य उद्देश्य है । जब शिक्षक 9वीं-10वीं स्तर पर किसी भी आर्थिक समस्या से संबन्धित पाठ पढ़ा रहा है वही उस समस्या विशेष से संबन्धित ज्ञान छात्रों को प्रदान करना तथा उसके समाधान हेतु किये जाने वाले स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों हेतु सराहनीय भाव उत्पन्न करना ही विशिष्ट उद्देश्य हो जायेगा । जैसे-जनसंख्या समस्या, पर्यावरण समस्या, खाद्य समस्या आदि ।

Scanned with CamScanner